ति का गत्यात्मक सिद्धांत

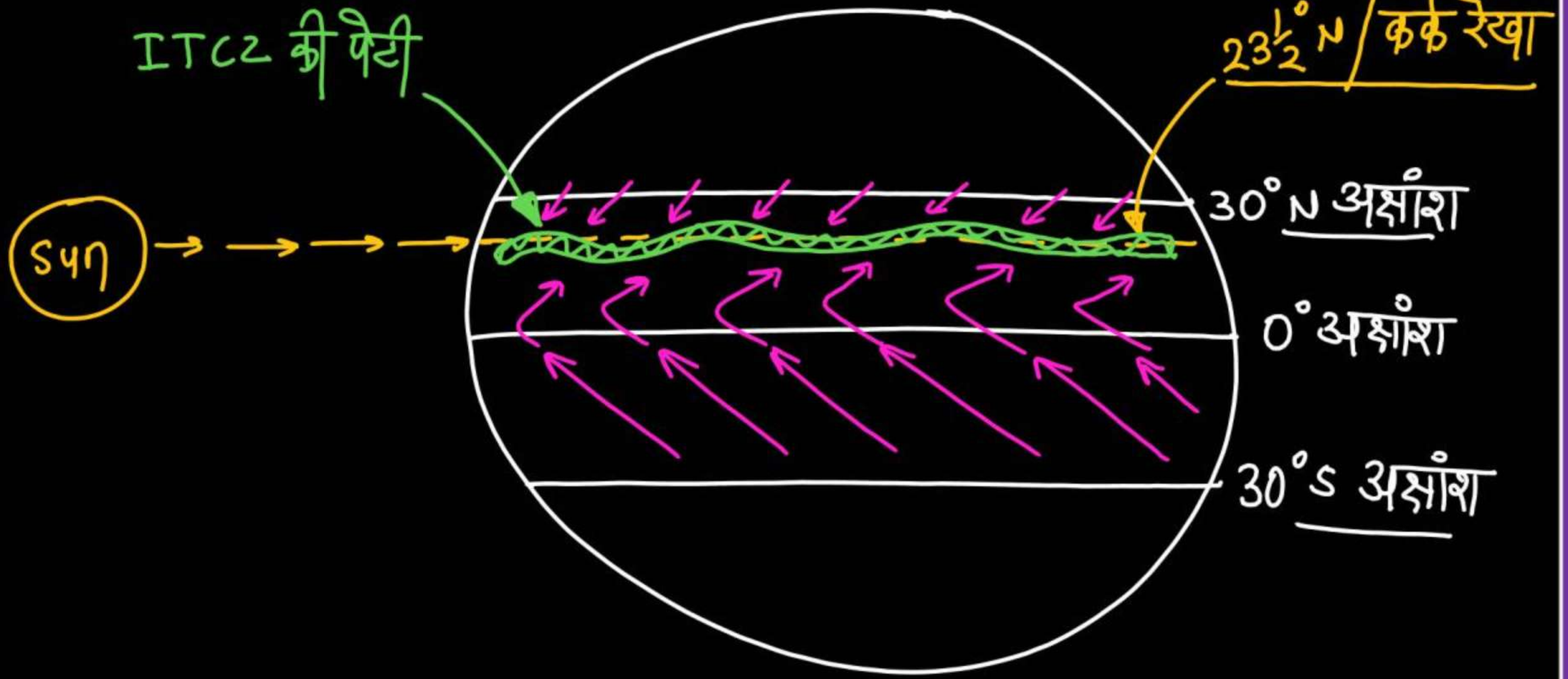

Geography by Amit Shree sir

✓ भारत में मानसून आगमन ?

↳ जब सूर्य २१ जून को कर्क रेखा पर लंबवत् होता है तो ITCZ की पेटी हिमालय के दक्षिण की ओर स्थापित हो जाती है तथा दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें विषुवत रेखा को पार कर उत्तरी गोलार्द्ध में प्रवेश करती हैं जिनकी दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर होती है इन्ही पवनों के साथ भारत में मानसून का आगमन हो जाता है।

Geography by Amit Shree sir

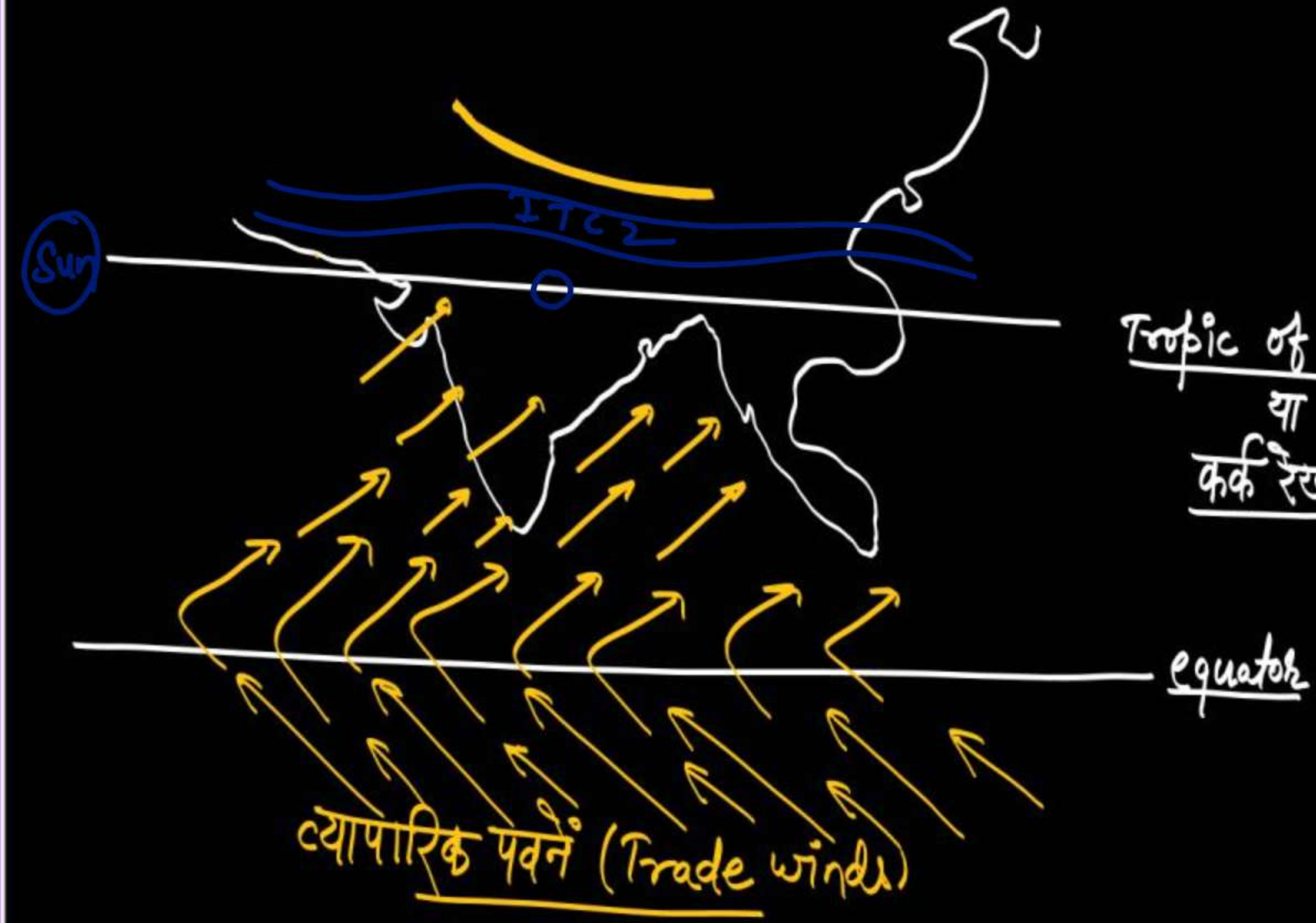

Note :- कोरियोलिस बल के प्रभाव से दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें उत्तरी गोलार्द्ध में फेरल के नियमानुसार दाएँ ओर विक्षेपित हो जाती है।

Geography by Amit Shree sir

अंत:उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (आई.टी.सी.जेड.)

विषुवत वृत्त पर स्थित अंत: उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र एक निम्न वायुदाब वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में व्यापारिक पवनें मिलती हैं। अत: इस क्षेत्र में वायु ऊपर उठने लगती है। जुलाई के महीने में आई.टी.सी.जेड. 20° से 25°उ. अक्षांशों के आस-पास गंगा के मैदान में स्थित हो जाता है। इसे कभी-कभी मानसूनी गर्त भी कहते हैं। यह मानसूनी गर्त, उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भारत पर तापीय निम्न वायुदाब के विकास को प्रोत्साहित करता है। आई.टी.सी.जेड. के उत्तर की ओर खिसकने के कारण दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें 40° और 60° पूर्वी देशांतरों के बीच विषुवत वृत्त को पार कर जाती हैं। कोरियोलिस बल के प्रभाव से विषुवत वृत्त को पार करने वाली इन व्यापारिक पवनों की दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर हो जाती है। यही दक्षिण-पश्चिम मानसून है। शीत ऋतु में आई.टी.सी.जेड. दक्षिण की ओर खिसक जाता है। इसी के अनुसार पवनों की दिशा दक्षिण-पश्चिम से बदलकर उत्तर-पूर्व हो जाती है, यही उत्तर-पूर्व मानसून है।

Geography by Amit Shree sir

मानसून का भारत में विस्तार

↓

→ भारत में मानसून का सर्वप्रथम प्रवेश लगभग २५ मई को अंडमान-निकोबार से होता है।

→ भारत की मुख्य भूमि पर (→ मालाबार तट से) मानसून का प्रवेश जून माह के प्रथम सप्ताह में तेज गरज व चमक के साथ होता है, जिसे मानसून प्रस्फोट/विस्फोट/Burst of Monsoon कहा जाता है।

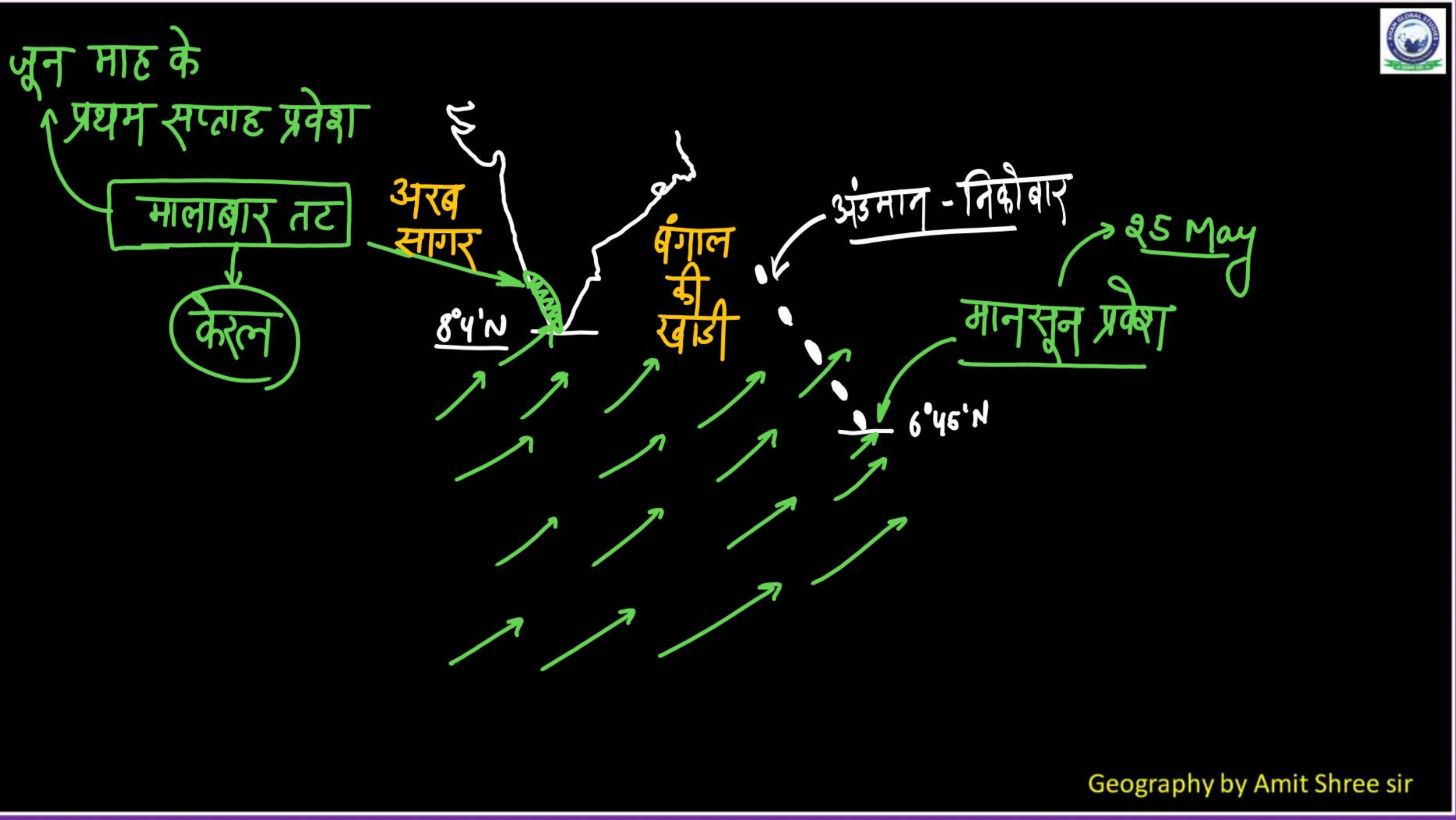

Geography by Amit Shree sir

(Branches of S-W Monsoon)

- अरब सागर की शाखा
  - 3 उपशाखाएँ
    - (i) मालाबार तट से
    - (ii) नर्मदा व ताप्ती घाटियों से
    - (iii) गुजरात के काठियावाड से अरावली के समांतर
- बंगाल की खाडी की शाखा
  - (i) चीन-म्यांमार की ओर
  - (ii) असम घाटी की ओर
  - (iii) हिमालय के समांतर पश्चिम की ओर

अरब सागर की शाखा के वृष्टि छाया क्षेत्र, जहाँ वर्षा 50 cm से भी कम होती है →

↓

1. तमिलनाडु का हिस्सा (कोरोमंडल तटीय क्षेत्र)
2. विदर्भ क्षेत्र (महाराष्ट्र)
3. थार मरूस्थल का क्षेत्र ★
4. लद्दाख क्षेत्र

{ Aravali Mountain

बंगाल की खाड़ी के वृष्टि छाया क्षेत्र में

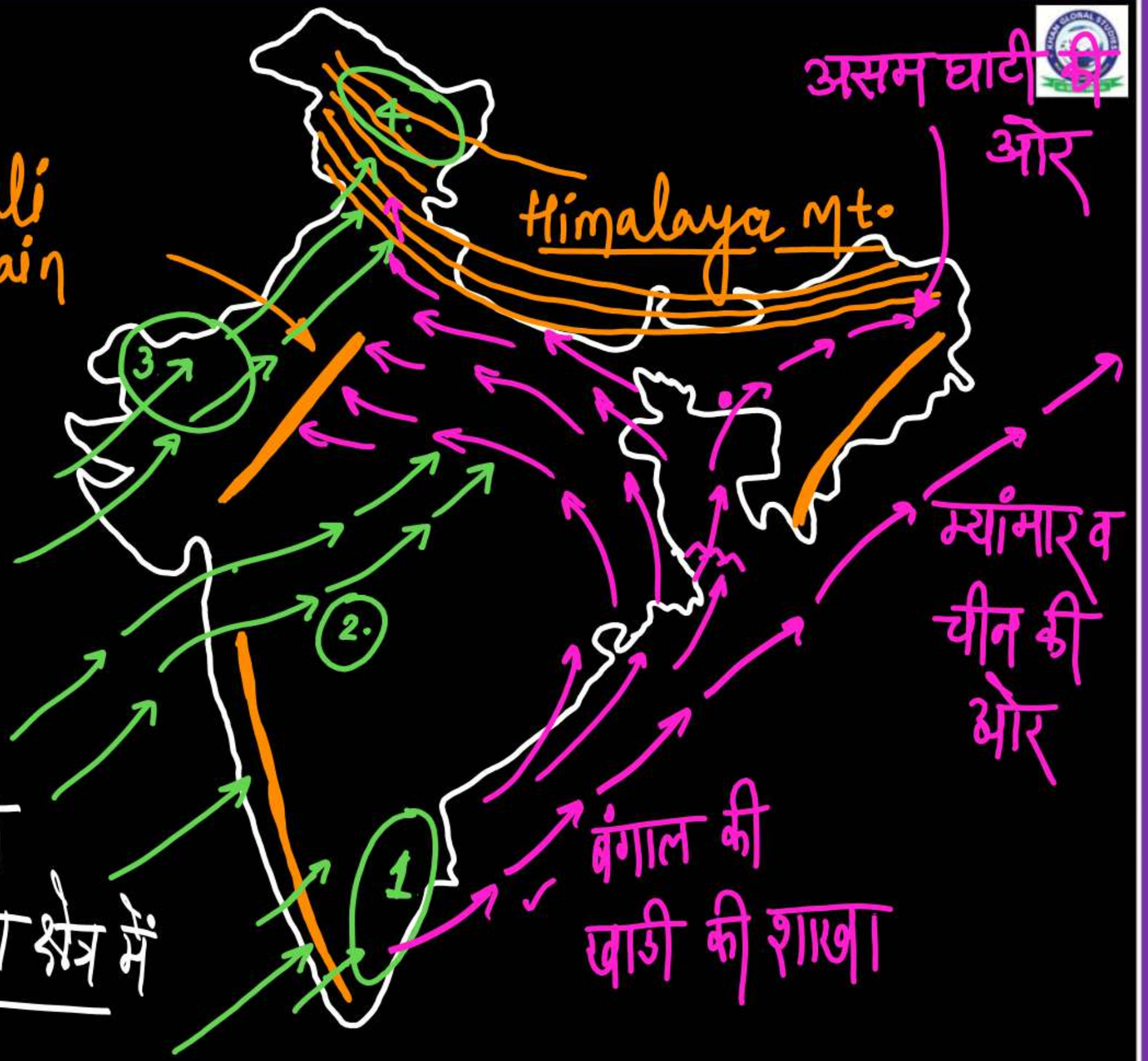

Geography by Amit Shree sir

→ थार मरु॰ से अरब सागर की शाखा अरावली के समांतर निकल जाती है।
→ भारत में सर्वाधिक वर्षा अरब सागर की शाखा से होती है।

Note :- भारत में सर्वाधिक वर्षा :- मॉसिनराम (मेघालय)

→ 1141 CM / 11410 mm या लगभग 1200 CM
→ बंगाल की खाड़ी की शाखा से।

→ अरब सागर व बंगाल की खाडी की शाखा संयुक्त रूप से पंजाब व HP के क्षेत्रों में।
→ सर्वाधिक वर्षा वाला माह - अगस्त

न्यूनतम वर्षा वाला स्थान
→ लेह (लद्दाख) ; जैसलमेर (राज॰)

Geography by Amit Shree sir

उत्तरी-पूर्वी मानसून या शीतकालीन मानसून

Geography by Amit Shree sir